



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 412]

नई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 17, 2008/कार्तिक 26, 1930

No. 412]

NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 17, 2008/KARTIKA 26, 1930

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 17 नवम्बर, 2008

सं. 109 (आर ई-2008)/2004—2009

फा. सं. 01/36/218/61/ए एम 09/नीति  
V/ईपीसीजी-1.—विदेश व्यापार नीति, 2004—2009 के पैराग्राफ  
2.4 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, महानिदेशक, विदेश  
व्यापार एतद्वारा प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-1) (आर ई-2008) में  
निम्नलिखित संशोधन करते हैं :—

2. प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड 1) (आर ई-2008) में ई पी सी जी  
प्राधिकार पत्र (ए एन एफ-5क) के लिए आवेदन प्रपत्र को निम्नानुसार  
संशोधित किया जाता है :—

(क) "औषध विनिर्माण लाइसेंस के विवरण के संबंध में  
कॉलम सं. 6" को दिया गया है।

(ख) "आवेदकों के लिए दिशा-निर्देश" में शर्त सं. 4(2)  
को निम्नानुसार पढ़ा जाएगा :—

"उत्पादों के मामले में आई ई एम/एस एस आई  
पंजीकरण संख्या की स्व-प्रमाणित प्रतिलिपि और सेवा  
प्रदायकों के मामले में सेवाकर पंजीकरण की स्व-  
प्रमाणित प्रतिलिपि"

(सेवा प्रदायकों के मामले में, जो सेवा कर प्राधिकारियों के  
पास पंजीकृत नहीं है और आवेदन (उद्घोषणा संख्या 10) के भाग  
के रूप में इस संबंध में घोषणा प्रस्तुत कर दी गई है, सेवा कर  
पंजीकरण को प्रस्तुत करना अपेक्षित नहीं है। ऐसे मामलों में,  
संबंधित ई पी सी से आर सी एम सी पर्याप्त होगा।)

(ग) निम्नलिखित घोषणा/वचनबद्धता को "घोषणा/  
वचनबद्धता" की क्र. सं. 13 के बाद क्रम सं. 13(क)  
के रूप में जोड़ा जाता है:—

"13 (क) मैं/हम भेषज उत्पाद/उत्पादों के निर्यात के  
मामले में 'औषध विनिर्माण लाइसेंस' की स्व-प्रमाणित  
प्रतिलिपि ईपीसीजी प्राधिकार पत्र के जारी होने की  
तिथि से तीन वर्ष के अंदर जमा करवाने की शपथ लेते  
हैं। जिसके पूरा न हो पाने की स्थिति में सीमा-शुल्क  
अधिकारियों/विदेश व्यापार महानिदेशालय के क्षेत्रीय  
प्राधिकारियों के साथ पूंजीगत वस्तुओं की निकासी के  
समय प्रस्तुत की गई बैंक गारंटी/निष्पादित विधिक  
वचनबद्धता, जैसा मामला हो, को जब्त/समाप्त किया  
जा सकता है। और मुझे/हमें अंतिम अदायगी की तिथि  
तक प्रथम आयात की तिथि से बचाई गई सीमा-शुल्क  
की राशि और उस पर लागू ब्याज की राशि का भुगतान  
करना होगा।"

3. इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

आर. एस. गुजराल, महानिदेशक, विदेश व्यापार एवं  
पदेन अपर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 17th November, 2008

No. 109 (RE-2008)/2004—2009

F. No. 01/36/218/61/AM 09/Pol. V/EPCG-I.—In  
exercise of powers conferred under Para 2.4 of the Foreign  
Trade Policy, 2004—2009, the Director General of Foreign  
Trade hereby makes the following amendments in the  
Handbook of Procedures, (Vol. I) (RE-2008):

2. The application form for EPCG Authorisation  
(ANF-5A) in Handbook of Procedures (Vol. I) (RE-2008) is  
amended as under :—

- (a) "Column No. 6 regarding details of Drug Manufacturing Licence" is deleted.
- (b) Condition No. 4(2) in the "Guidelines for Applicants" would read as under :  
"Self certified copy of IEM/SSI registration number in case of products and a self-certified copy of Service Tax Registration in case of Service Providers."

(In case of Service Providers, who are not registered with Service Tax Authorities and a declaration in this regard has been submitted as a part of the application (Declaration No. 10), Service Tax Registration is not required to be submitted. In such cases, RCMC from EPC concerned will suffice).

- (c) The following declaration/undertaking is added as Sl. No. 13(a) after Sl. No. 13 of "Declaration/Undertaking" :—

"13 (a) I/We undertake to submit a self certified copy of 'Drug Manufacturing Licence' in case of export of Pharmaceutical Products(s) within a period of three years from the date of issue of EPCG Authorization failing which the Bank Guarantee/Legal Undertaking executed/furnished at the time of clearance of Capital Goods with Customs Authorities/Regional Authorities of DGFT, as the case may be, is liable to be forfeited/invoked and I/We would be liable to pay Customs Duty saved amount together with applicable interest thereon from the date of first import till the date of final payment."

3. This issues in Public interest.

R. S. GUJRAL, Director General of Foreign  
Trade & ex-officio Addl. Secy.